(12) PATENT APPLICATION PUBLICATION

(21) Application No.202311002222 A

(19) INDIA

(22) Date of filing of Application :11/01/2023

(43) Publication Date : 13/01/2023

(54) Title of the invention : HERBAL PLANTS STUDY AND RESEARCH: KAP PERSPECTIVE

(51) International classification	:G06Q0010060000, G06Q0050260000, H04W0072040000, G16H0020100000, A61K0031537700
(86) International Application No	:NA
Filing Date	:NA
(87) International Publication No	: NA
(61) Patent of Addition to Application Number	:NA
Filing Date	:NA
(62) Divisional to Application Number	:NA
Filing Date	:NA

(71)**Name of Applicant :**

1)Dr. Shivani Srivastava

Address of Applicant :Professor Home Science, Netaji subhash chandra Govt. Girls P G College, Aliganj, C_709, Sector c, Mahanagar, Lucknow, Uttar Pradesh, 226006 Lucknow ---------- -- -----------

Name of Applicant : NA

Address of Applicant : NA

(72)**Name of Inventor :**

1)Dr. Shivani Srivastava

Address of Applicant :Professor Home Science, Netaji subhash chandra Govt. Girls P G College, Aliganj, C_709, Sector c, Mahanagar, Lucknow, Uttar Pradesh, 226006 Lucknow ----------- - -----------

(57) Abstract :

The terms complementary medicine and alternative medicine together refer to a vast range of treatment modalities and procedures, each of which is practised differently in different nations and regions. The citizens of India were the subjects of the research, and their knowledge, attitudes, and actual practises towards complementary and alternative medicine were evaluated. Knowledge, attitude, and practise (KAP) studies are very useful instruments for political persuasion and guide the implementation of public health initiatives. The planning and execution of health care are based on the assumption that there is a linear KAP link between awareness campaigns and the intended social behavioural change that arises from them. In order to support a theoretical framework, relevant research on knowledge, attitude, practise, and health care outcomes was framed. Within the scope of this research, an adequate framework is developed, the linkages between knowledge, attitude, practise, and results (KAP) are specified, and the variables that influence variances in these areas are investigated.

No. of Pages : 9 No. of Claims : 1

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
Ministry of Earth Science

Ministry of Culture
Government of India

संस्कृत विभाग, नव नालन्दा महाविहार, (सम विश्वविद्यालय) नालन्दा, बिहार
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित

"द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी"

अभिनन्दन-पत्र

संगोष्ठी में पधारे सम्माननीय

प्रो. अनुराधा तिवारी
प्राचार्य, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय बालिका पी.जी. कॉलेज, लखनऊ

हम जो कुछ भी करें देश की, आन-बान का ध्यान रहे,
घर बाहर हर जगह हमारा, लक्ष्य राष्ट्र निर्माण रहे।
भाव राष्ट्रहित का हर पल हो, सभी देश के वासी में,
सृजन हेतु सहमति जागृत हो, निर्धन और धनवानों में।।

मान्यवर,

ज्ञान की उपमा से विभूषित बिहार राज्य की सोंधी एवं मुरमुरी माटी से परिपूर्ण मगध क्षेत्र आपके आगमन से पुलकित होकर अभिनन्दन करता है। भारत भूमि के सर्वाधिक प्राचीन एवं ऐतिहासिक विश्वविद्यालय नव नालन्दा महाविहार की धरती पर आपका सादर वन्दन एवं अभिनन्दन है। इस संगोष्ठी में आपके विचार, चिन्तन व सुझावों से भारतीय कृषि के भविष्य को एवं पर्यावरण की चुनौतियों का समाधान करने जैसे लक्ष्य अवश्य पूर्ण होंगे। भारतीय कृषि-व्यवस्था अपने संक्रमण-काल में होने के बाद भी हर स्तर पर दुनियां में कीर्तिमान स्थापित कर रही है। उसका कारण आप जैसे शोधार्थी व अन्वेषकों के साथ समृद्ध सनातन संस्कृति के विरासत का उपलब्ध होना है। हमें गर्व है कि इस संगोष्ठी में आप जैसे मनीषी एवं आध्यात्मिक चेतना से परिपूर्ण विद्वत्जन सबका मार्गदर्शन कर रहे हैं।

आर्यावर्त-भरत-भूमि में सनातन काल से विद्याध्ययन, ज्ञानोपार्जन, प्रकृति का संरक्षण, गौपालन, पहाड़ों को सुरक्षित रखने के लिए शक्तिपीठों की स्थापना, गुरुकुलों का निर्माण, वन्य जीवों की सुरक्षा, संस्कृति व सभ्यता की जन्मदातृ नदियों का पोषण, अरण्य व अभयारण्यों में जीवन की शांति के लिए यज्ञ-विधान, कृषि ऋषि परंपरानुसार होता रहा है। इस जीवन दर्शन पर आपके विचार संगोष्ठी में मील का पत्थर बनकर इतिहास रचेगा।

आप जन-चेतना के प्रबल संवाहक बनकर भारत के भव्य भाल के रक्षक बनें। इस आशा व विश्वास के साथ आयोजक-मंडल आपका कोटि-कोटि स्वागत, वन्दन और अभिनन्दन करता है।

"बार बार प्रणाम तुम्हें हे! सरस्वती के अमित पुजारी,
आर्य तुम्हारे स्वागत के हम, बन पाए कैसे अधिकारी।

दिनांक :- 10 अक्टूबर 2022
स्थान :-नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा

विनीत
प्रो. डॉ. विजय कुमार कर्ण
संयोजक, संगोष्ठी एवं अध्यक्ष
संस्कृत विभाग
नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा